श्री भगवती स्तोत्रं

जय भगवति देवि नमो वरदे जय पापविनाशिनि बहुफलदे |
जय शुम्भ निशुम्भ कपालधरे प्रणमामि तु देवि नरार्तिहरे || १ ||

जय चन्द्रदिवाकर नेत्रधरे जय पावकभूषित वक्त्रवरे |
जय भैरव देहनिलीनपरे जय अन्धक दैत्यविशोषकरे || २ ||

जय महिष विमर्दिनि शूलकरे जय लोकसमस्तक पापहरे |
जय देवि पितामह विष्णुनते जय भास्करशक्रशिरोवनते || ३ ||

जय षण्मुखसायुध ईशनुते जय सागर गामिनि शम्भुनुते |
जय दु:ख दरिद्र विनाशकरे जय पुत्रकलत्र विवृद्धिकरे || ४ ||

जय देवि समस्त शरीरधरे जय नाकविदर्शिनि दु:खहरे |
जय व्याधि विनाशिनि मोक्ष करे जय वाञ्छित दायिनि सिद्धिवरे || ५ ||

एतद्व्यास कृतं स्तोत्रं य: पठेन्नियत: शुचि: |
गृहे वा शुद्धभावेन प्रीता भगवती सदा || ६ ||

इति श्री व्यास कृत भगवती स्तोत्रं सम्पूर्ण

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

www.viswakalyanam.org